छोटी नाव

एक चित्रकथा

एक चूहा जंगल में घूम रहा था।

उसे एक छोटी चिड़िया मिली।

दोंनों दोस्त बन गए।

दोनों चलते-चलते तालाब के पास पहुँचे।

दोनों चलते-चलते तालाब के पास पहुँचे।

चूहा बोला — “चलो तैरें!”

चिड़िया बोली — “मुझें तैंरना नहीं आता !”

उन्हें एक बड़ा हरा पत्ता मिला।

दोनों ने मिलकर पत्ते की नाव बनाई।

नाव पानी में चल पड़ी।
दोनों दोस्त खुशी-खुशी घूमने लगे।

दोनों को अपनी पत्ते की नाव में बहुत मजा आवा।

गर्म धूप में दोनों को नीद आ गई।

दोनों बहते हुए दूर निकल गए।

नीद में नाव वहते हुए झरने में जा पहुँवी।

किसी तरह तैरं कर दोनों किनारे पहुँचे।

डर कर उन्होनों पत्ते की नाव को खोजा।

तभी एक कछुआ वहाँ आया!

कछुय ने कहा –“डरो मत, में मदद करता हुँ!”

कछुआ उन्हें सुरक्षित किनारे तक ले आया।

तीनों दोस्त खुशी-खुशी खेलने लगे।

सीख

मिल-जुले कर रहो और हमेशा एक-दूसरे की मदद करो।

समाप्त

Copyright © 2026 Kirti Moudgal

All rights reserved. This educational material is for personal and classroom use only.

Redistributing, copying, or any unauthorized use is prohibited.

kirtisclasstracker.in | Educational Use Allowed. Redistribution without permission is not allowed.